Date
01/05/2022.

TEACHING OF SCIENCE
Topic- Soil & Crops

D.El.Ed IInd Sem
Period- IIIrd

कृषि उत्पादन की विधियां ⇒

भारत में कृषि की निम्न विधियों द्वारा फसलों का उत्पादन किया जाता है-

1- स्थानान्तरी कृषि
2- गहन कृषि
3- मिश्रित कृषि
4- विस्तृत कृषि

खेत की तैयारी ⇒

अधिक उपज प्राप्त करने के लिये खेत की तैयारी सही ढंग से करनी चाहिये। मिट्टी की तैयारी में जुताई, हैरोइंग एवं समतली की प्रक्रिया को अपनाया जाता है।

बुवाई ⇒

फसल उत्पादन में बुवाई एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। खेत में बीज डालना या रोपा लगाना की क्रिया को बुवाई कहते है। बुवाई कई प्रकार से की जाती है। जैसे

1⇒ छिटककर बोना
2 ⇒ हाथ से बीज बोना

Scanned with CamScanner

3 - रोपा लगाना या हाथ से रोपकर बोना।

कृषि यन्त्र

कृषि यन्त्र अनेक प्रकार के होते है।

1- पटेला, 2 बखर, 3 - फावड़ा, 4- ट्रैक्टर, 5 - कल्टीवेटर

6- डिब्लर, 7- देशी हल, 8- मेस्टन हल, 9 - विक्ट्री हल

10- पंजाब हल, 11- ट्रफन एवं तिफन

कृषि यन्त्र की आवश्यकता →

आधुनिक प्रौद्योगिकी युग ने विभिन्न व्यवसायो और क्रियाकलापो को बहुत उन्नत बना दिया है। कृषि का क्षेत्र भी इससे अछूता नही है। आधुनिक समय में कृषको के पास कृषि की नयी - नयी विधियां है साथ ही कृषि में विभिन्न नवीन उपकरणो का भी प्रयोग होने लगा है जो परम्परागत उपकरणो की अपेक्षा अधिक ढंग से कार्य करते है। परम्परागत और आधुनिक दोनो ही प्रकार के यन्त्र कृषि के विविध क्रियाकलापो के लिये लाभदायक एवं उपयोगी है। जैसे जुताई के लिये आज भी कही कही प्रयोग किया जाता है परन्तु ट्रैक्टर से जुताई करना अधिक आसान है।

Continue

01/05/2020

Scanned with CamScanner